कंधमाल लोकसभा सांसद : प्रोफेसर अच्युत सामंत

जिन्होंने मात्र दो दिनों में

कुल सात हजार बेरोजगार युवाओं को

नौकरी उपलब्ध कराई

ओडिशा भारत के मानचित्र का एक ऐसा प्रदेश है जहां की कुल आबादी लगभग 4.5करोड़ है। जंगलों और विभिन्न खनिज सम्पदाओं से भरपूर ओडिशा प्रदेश की कुल आबादी के लगभग 24प्रतिशत आबादी आदिवासी की हैं जो अनेक दशकों तक समाज के विकास की मुख्य धारा से कटे रहे। वंचित रहे। उपेक्षित रहे। उनका संस्कार और संस्कृति जंगलों तक सिमटकर रह गई थी। उनके लिए रोटी,कपड़ा और मकान की कमी रही। मनोरंजन आदि से वे पूरी तरह से वंचित रहे। ओडिशा का कंधमाल संसदीय क्षेत्र एक ऐसा क्षेत्र है जो आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। उसी संसदीय लोकसभा क्षेत्र के सांसद हैं प्रोफेसर अच्युत सामंत जिन्होंने गत 09–10जनवरी,2020 को पहली बार दो दिवसीय मेगा जॉब मेला वहां पर आयोजित कराया। भारत की कुल 71 नामी कंपनियों को मेले में सादर आमंत्रित किया। क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को नौकरी हेतु साक्षात्कार हेतु अपनी ओर से दो दिनों के लिए निःशुल्क कुल 120 बसों की व्यवस्था की। मेले में हजारों बेरोजगार युवाओं ने हिस्सा लिया तथा मात्र दो दिनों के भीतर ही कुल सात हजार बेरोजगार युवाओं को दस हजार रुपये से लेकर बीस हजार रुपये की मासिक नौकरी मिली। सबसे हैरत की बात यह रही कि उन बेरोजगार युवाओं में से अधिकतर युवा मैट्रिक उत्तीर्ण भी नहीं थे । ऐसे में, कंधमाल लोकसभा सांसद प्रो अच्युत सामंत को उनकी दूरदर्शिता,कार्यसंसकृति तथा ऐतिहासिक पहल के लिए साधुवाद। आज उनके नेतृत्व में कंधमाल संसदीय क्षेत्र अपने चंहुमुखी विकास के मार्ग पर अग्रसर है। यह भी पाठकों को बताना लाजमी होगा कि प्रो अच्युत सामंत का जन्म ओडिशा के कटक जिले के कलराबंक गांव में 20जनवरी,1965 में हुआ। वे जब मात्र चार साल के थे तभी उनके पिताजी का एक ट्रेन दुर्घटना में असामयिक निधन हो गया। उन्होंने अपना बाल्यकाल घोर आर्थिक संकटों के बिताया। उनकी स्वर्गीय विधवा मां नीलिमारानी सामंत ही उनके जीवन की प्रेरणा रहीं। प्रो अच्युत सामंत स्वयं उच्च शिक्षा प्राप्त किये तथा 1992–93 में अपनी कुल जमा पूंजी मात्र पांच हजार रुपये से कीट–कीस की स्थापना की जहां पर उनके पुरुषार्थ और भाग्य के बदौलत आज दोनों शैक्षिक

संस्थाओं में पर कुल लगभग 27–27हजार बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। दोनों विश्वस्तरीय शैक्षिक संस्थाएं आज डीम्ड विश्वविद्यालय बन चुकी हैं। कीस तो आज पूरे विश्व का सबसे बड़ा आदिवासी आवासीय विश्वविद्यालय बन चुका है जिसे पूर्वी भारत का आधुनिक तीर्थस्थल माना जाने लगा है। कीस आज पूरे विश्व के आकर्षण का केन्द्र बन चुका है जहां पर आदिवासी संस्कार और संस्कृति दोनों सुरक्षित है। कीस संस्थान प्रो अच्युत सामंत का मानसपुत्र बन चुका है जहां पर पिछले लगभग 27 वर्षों से आदिवासी बच्चे समस्त अत्याधुनिक सुविधाओं के उपभोग के साथ निःशुल्क केजी कक्षा से लेकर पीजी कक्षा तक उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास कर रहे हैं। कहते हैं कि प्रो अच्युत सामंत जो भी काम अपने हाथ में लेते हैं, वह सोना बन जाता है। अब कंधमाल संसदीय क्षेत्र के विकास की जिम्मेदारी उनके कंधों पर है। अब देखना बड़ा दिलचस्प होगा कि कंधमाल संसदीय क्षेत्र जहां पर आज भी रेल सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं किसप्रकार शिक्षा,स्वास्थ्य तथा अन्यान्य बुनियादी सुविधाओं को प्राप्तकर प्रो अच्युत सामंत माननीय सांसद के कुशल नेतृत्व में कितना शीघ्र अपना चंहुमुखी विकास करता है। आत्मविश्वासी,सत्यनिष्ठ तथा आध्यात्मिक जीवन जीनेवाले प्रो अच्युत सामंत बताते हैं कि उनको बृहद लोकसेवा के लिए ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायकजी ने मौका प्रदान किया है और उनके सभी लोकसेवा के कार्यों में उनका पूरा सहयोग है। ऐसे में उनको पूर्ण विश्वास है कि कंधमाल लोकसभा संसदीय क्षेत्र भी आनेवाले कुछ वर्षों में पूरी तरह से स्वावलंबी बन जाएगा। उनका लोकसेवा का भगीरथ प्रयत्न अनवरत चलता रहेगा। प्रस्तुति : अशोक पाण्डेय